# MUMBAI PORT TRUST

## MUMBAI PORT TRUST SUPPORTS EXHIBITION OF 'FLEMISH MASTER PIECES FROM ANTWERP : EXCLUSIVE PAINTINGS FROM THE 17TH CENTURY'

---

The Chhatrapati Shivaji Maharaj Vastu Sangrahalaya (CSMVS), formerly known as Prince of Wales Museum, founded in 1912 is one of the premier art and history museum of India, creating awareness and sensitivity towards heritage for the purposes of education, study and enjoyment of the public.

2. The CSMVS is organizing an exhibition titled 'Flemish Master Pieces from Antwerp: Exclusive Paintings from the 17th Century'. The Exhibition which is supported by the Port of Antwerp and Royal Museum of Fine Arts, Antwerp will be held at CSMVS from 28.11.2013 to 7.2.2014. The Exhibition will showcase for the first time in India 28 paintings from two museums in Antwerp including few of the famous Dutch artists such as Rubens and Van Dyck.

3. The CSMVS has planned to organise educational programmes, particularly directed towards children of aided schools and economically weaker sections of the society, to explain the finer aspects of flemish art. The Mumbai Port Trust has decided to sponsor the educational programme by contributing a sum of Rs.10 lakh. The cheque of Rs.10 lakh was handed over by Shri Rajeev Gupta, Chairman, Shri Ravi Parmar, Dy. Chairman, in the presence of Shri S.R.Kulkarni and Dr. Shanti Patel, veteran labour leaders and Trustees on the Board of the Port of Mumbai, to the representatives of CSMVS on 8.10.2013.

वर्ष 1912 में स्थापित "प्रिन्स ऑफ वेल्स म्युजियम", जो अब छत्रपति शिवाजी महाराज वस्तु संग्रहालय के नाम से जाना जाता है; भारत के उन अग्रणी कला एवं इतिहास संग्रहालयों में से एक है जो शिक्षा, अध्ययन, तथा जनता के आनंद हेतु विरासत के प्रति जागरुकता और संवेदनशीलता लाने की दिशा में कार्यरत है.

इस संग्रहालय में ॲटवर्प पोर्ट और "रॉयल म्युजियम ऑफ फाइन आर्ट्स," ॲंटवर्प के सौजन्य से "फ्लेमिश मास्टर पिसेस फ्रॉम ॲंटवर्प - एक्सक्ल्यूसिव्ह पेंटिग्ज् फ्रॉम दी 17th सेंचुरी" नाम से एक प्रदर्शनी 28.11.2013 से 7.2.2013 तक आयोजित की जा रही है. जिसमें भारत में पहली बार ॲंटवर्प के दो संग्रहालयों से रुबेन्स, वॅन डाइक जैसे मशहूर डच चित्रकारों की कलाकृतियों सहित 28 चित्र रखे जाएंगे.

छत्रपति शिवाजी वास्तु संग्रहालय द्वारा फ्लेमिश आर्ट की बारीकियाँ एवं भिन्न पहलुओं को उजागर करने के लिये कुछ शैक्षिक कार्यक्रम - खासकर अनुदानप्राप्त स्कूलों एवं समाज के आर्थिक रुप से दुर्बल घटकों के बच्चों के लिये चलाने की योजना है. मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने 10 लाख रु. का अंशदान देते हुए शैक्षिक कार्यक्रम प्रायोजित करने का निर्णय लिया है. वरिष्ठ श्रमिक नेता श्री. एस. आर. कुलकर्णी, एवं डॉ. शान्ति पटेल तथा मुंबई बंदरगाह के न्यासी मंडल के न्यासियों की उपस्थिति में मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री. राजीव गुप्ता तथा उपाध्यक्ष श्री. रवि परमार ने दिनांक 8.10.2013 को 10 लाख रु. का धनादेश संग्रहालय के प्रतिनिधियों को सुपूर्द किया.